अरविंद वर्णवाल ने केदारकांठा पर्वत की 12050 फीट ऊँची चोटी पर फहराया तिरंगा

चर्चा में क्यों?

18 जनवरी, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के जामताड़ा के अरविंद वर्णवाल ने हिमालय पर्वत शृंखला के केदारकांठा पर्वत की 12050 फीट की ऊँचाई पर गणतंत्र दिवस के पूर्व तिरंगा फहराकर देश को गौरवान्वित किया है।

प्रमुख बिंदु

- अरविंद वर्णवाल ने बताया कि पूरे भारत वर्ष से आठ राज्यों के 30 लोग गणतंत्र दिवस के पूर्व हिमालय पर्वत शृंखला पर तिरंगा फहराने की यात्रा में शामिल थे, जिसमें झारखंड, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार के ट्रेकर शामिल थे।
- उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के ट्रेकर त्रिलोक राय के नेतृत्व में उत्तराखंड के उत्तरकाशी ज़िले में स्थित हिमालयन शृंखला के केदारकांठा पर्वत शिखर की 12050 फीट की ऊँचाई पर तिरंगा फहराने के लिये संकरी गाँव से यात्रा शुरू की थी। संकरी गाँव से 12 किमी. पर केदारकांठा पर्वत था।
- इस पर्वत को फतह करने के दौरान दो बेस कैंप बनाए गए थे। पहला बेस कैंप पर्वत के तलहटी में, तो दूसरा बेस कैंप 10,000 फीट की ऊँचाई पर था।
- विदित है कि अरविंद वर्णवाल पहले भी अमरनाथ और केदारनाथ की यात्रा कर चुके हैं।
- अरविंद वर्णवाल ने बताया कि 15 जनवरी को देहरादून से यात्रा शुरू की थी। वहाँ से मसूरी, नावगाँव, पुरोला, मूरी, नेटवाद कोटगाँव (संकरी) तक 220 किमी. का सफर करीब दस घंटे में पहुँचा।
- 16 जनवरी को दूसरे दिन, कोटगाँव (संकरी) से केदारकांठा पर्वत के 9100 फीट पर स्थित पहले बेस कैंप पहुँचे तथा 17 जनवरी को तीसरे दिन 11250 फीट पर स्थित दूसरे बेस कैंप शेफर्ड कैंप करीब पाँच घंटे की ट्रेकिंग कर पहुँचे। उसके बाद करीब चार घंटे की चढ़ाई के बाद 18 जनवरी को सुबह 7 बजे केदारकांठा की सबसे ऊँची चोटी पर पहुँचे और तिरंगा फहराया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/arvind-varnwal-hoisted-the-tricolor-on-the-12050-feet-high-peak-of-kedarkantha-mountain